इस जग में मानव तन मुश्किल से मिलता है लिरिक्स

इस जग में मानव तन,
मुश्किल से मिलता है,
हरि का तू भजन कर ले,
ये समय निकलता है।bd।

मानव तन हीरा है,
गफ़लत में मत खोना,
बिन भजन के ओ प्राणी,
रह जाएगा रोना,
इस तन का भरोसा क्या,
पल पल ये बदलता है,
हरि का तू भजन कर ले,
ये समय निकलता है।bd।

छल कपट द्वेष निन्दा,
चोरी जो करते है,
ये समझलो वो बन्दे,
जीते ना मरते है,
अपने हाथो विष का,
वो प्याला पीता है,
हरि का तू भजन कर ले,
ये समय निकलता है।bd।

विरथा जीवन उनका,
जो शुभ कर्म नही करते,
खाने पीने में तो,
पशु भी पेट भरते,
पापी प्राणी जग में,
बिन आग के जलता है,
हरि का तू भजन कर ले,
ये समय निकलता है।bd।

'सदानन्द' कहता,
जीवन को सफ़ल करलो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गुरू चरणों में रहकर,
हरि सुमिरन करलो,
हरि दर्शन करने को,
दिल ये मचलता है,
हरि का तू भजन कर ले,
ये समय निकलता है।bd।

इस जग में मानव तन,
मुश्किल से मिलता है,
हरि का तू भजन कर ले,
ये समय निकलता है।bd।

रचना – स्वामी सदानन्द जी।
गायन – स्वामी सच्चिदानंद आचार्य व संत राजूराम जी।
प्रेषक – विष्णु लटियाल।
9928412891

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com